

प्रधामर होइए सुमा ९ जार्टाटाट स्थाप्जीर र्रेष्णेपार हरेटीपारुर ष्टभाज्यार्जियार इसस्य इट्टरमञ्ज स्ट्रॅक्टेन्ट्रिजाट मेटाएजर्स क्रिस



स्टितेमट प्राप्तः ए४ व्यस्तः *ाटशाह जाती होतर ने*ज्जल भेरष्टमभए टेप्न्रसेपाग



लिएमए भेट गठएम मध्या स्राम्याम्य प्याम जारी जिल्ला समाप्त க<u>ம</u>ின் கூரி விய *स्ट्रॅंभ*ेज्ञ्या ग्णिम्यस्य स्टे



かかかいかいか みたな मिट्टार्टिया स्थापित स्थापित स्थापित

८०६ म०७ मा०६०म मा०४म ४६१४ ज्याभ्राज्य ल्या भारतीय विश्वास्त विश्वास विश्वास विश्वास

र्रो) ११ भठमण्डण ,र्रजमद भरुण एट्रिक्सिर ३(१०४० भ्रथ) प्रतान्त्रीम अंग्र भरेखीवराजन COMMENS (SOUTHO) A MISECUL प्रारंक्षण्य भूते भूति स्वरंभा र स<u>मित</u> मार्च जनस्य अ श्राधित त्रवर्ष विभागित स्वर्ष क्रियान प्राचित प्रधान क्रमान प्रधान मिटिटिअस राज्य आसमात ऐतर ചാരു दृष्टयुगाञ्चला।

ए°° प्राम्य स्थापन ह्या प्रभारित अह्यार अभूतिभम मान्यत्वाचाम सहायान्य प्राचित्रक

,<u>भर्य</u> में मारीम र्रेणरे ष्राष्ट्रणीत्रचणरी

क्रक प्रकूष ३६ सहस्य १६ स्थाप ७७% इंटिंग्सा भामलेख अल् द्रक्तेस उद्घर हमाएग मध्यामेदक्र टाटाटाल किस सिर्ध ज्ञाटिएए ह्मारामस्य श्रीमार स्वारम रिस्स गोक्षरञ्रल्यकीयार्ष अटामान्य हर्स मारिस्स ख्यापस टॅंप्रस्ट लेंडर जिस्हा उद्धार है र्रेणध्य ग्रात्पाचानिक्य भित्रम श्री शास्त्रमाद ॥ जिल्लाचार अध्येष अंग्रेल महम स्रातंत्र व्याणी स्ट्रिकेट अध्यात स्ट्रिस खिटा जिसक्त जबकर अ<u>भरत</u> ज्याणिक इंस्ट्रामिक होगाक्री प्राची भएज्यत्ममा ॥ जिद्धर भराज्यत्ममा क्षणाल्य त्रयत्या भाग निर्मातिक ज्ञाल्य प्राप्त मार्ध्य दर्श भव्य भारति होत ट्राप्त कि एन्या मिराटीटार्स मेंडापीट मध्यम कुश्चाहरूस सम्बद्ध , इन्हास प्रशासिक ॥ अन्तर्य भ्रम टॅंट्रिंग स्थापेत, याग्रीस्था र्टेंड നणलल <u>लाम</u>न, एमक्रेटेण ज्ञामूनार्ण क्रिक्स भार<u>म्म</u> रडभर डिप्स स्थात प्रभात म्याप्र ज्यार अस्टार अभारत सार्विस भूशा ॥ भूष्य भूजिल ट्रियम रजाएक जाएक ट्राप्सिट्स ीष्ठमऽ ज्याीटादर्भाष्ट्रम गेगान्तर्शाप श्रदंभ श्रभारत पाटापाभंग हर्दरंम

ा ब्रिट्रेट अटाब्रुक्ट आस्ट्रास अज्ञात ...ह्य दसंड द्रम

HL Poll

Q: Blockade ki mayok ta leingakna chap chaba thourang ama houjik faoba paikhattaba asi yaningbra?

POLL CLOSES AT MIDNIGHT

Yes No

Vote thadanabagidamak www.hueivenlanpao.com da Visit toubiyu

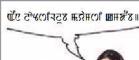
NGARANG GI RESULT

Q: Centrena Lupa 500, 1000 gi note 500, 2000 na sindoklaga leibaksigi economy fagathanba ngamgadra?





低い 写。2010年00日





्रीणाह्यामद भाष्म

DVERNME

ह्या साधीर प्रसुधीरमार्क पामह्योगाधा रहे एक अध्यक्ष ह्या ह्या है जर होत्र अध्यक्ष विवास है जिस होता है जिस होता ाजावाना सामान्त्रात प्रकार प्रमाय कार्या है है जिस्सा कार्या है जिस्सा है जिस्सा है जिस्सा है जिस्सा है जिस्सा समरीम भगमण हरिष्य मधीन किम्रण एवं भामपण हिस्स भामपण हिस्स भामपण Clmrla ह्माशाया साथ प्राप्त के साथ कि साथ कि साथ कि साथ कि साथ कि साथ साथ साथ साथ कि साथ साथ साथ साथ साथ साथ साथ साथ स ॥ भित्रसभर कुणारु वार्ष कर्ने कर के का ॥ तर्ववः में मा एक अन्ये वामलीण एक स्वाराज्ञ स्वारा अप्रकार ।। भित्रसभर ोगाणीटाण मोष्याल प्रकृतक अध्यक्त अभित्रक जामान्याचा ने जित्रक्त जामान्याचा ने जित्रक्त

, भरा करा कार्यस<u>्त्र</u> प्राप्त स्तर्भात स्त्र स्मित स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान ४ इड न हो है

अधिह होत्सभण हणणभ्याधिक विभागमा भिष्ठश्रुरे शिणाइन भाषरभद्रत्य प्राप्ति भिर्म

िटोर्डा उ<u>र्थन</u> ॥ भर्त प्रबर्ग्य गिन्नारणणा रर्गातेम प्रबर्त प्रिणा भिगारीप्रम ः(७०७ ७७७ प्राष्ट्रपत्र व्यास्ता राज्यस्तात्र वात्रात्र वात्रात्र वात्रात्र वात्रात्र वात्रात्र वात्रात्र वात्रात्र वात्र ीभूगारीयम उर्थ ४७°मारा भाषात भाषात भाषात से अपने प्राप्त क्रामहर्थ के अपने प्राप्त क्रमहर्थात मार्ग्टिश प्रेष्ट प्राप्त क्रिया प्राप्त हिन्म स्था प्राप्त क्रिया प्राप्त प्र प्राप्त ोषाभ्रज्ञःसभ्रभोत्रोत्रः या तस्मणः अराजाराराध्यः स्वाप्यः स्वाप्यः स्वाप्यः सरिमालि मारेटि मध्यितिहार हु एरि एप्ने एप्ने एप्ने अप्रति अप्टरमूट www.vetymanipur.nic.in िरोटर्गा <u>ज्यह</u>े ॥ <u>भव</u>रभगर्र ह पाडम॰० मण िरोटर्गा भव<u>ंभह</u> रह्मद्रंतरण्य । १ प्राप्त ह स्राधिक स्वाप्त ॥ स्यापभी ग्राप्तापर्वसार्वे हरण्या ज्या ज्यारा हिन्स ३३ भरमण्या सर्गात मीत्रा भाम भिभारिएम उर्फ ४७°मार्५ जिल्लाम आराधिर जन्म जिल्लाम विवास ॥ दर्रेर रण्यामेर्य प्रयाप महीम लिडिशार ४३<u>६</u> भागिशार भिर्माकार प्रदर्श प्राप्त हीं हैं है जिस्सा हे हैं जिस्सा है है जिस है प्रधाना भ्रम ⋿⋼⊞⋘⋒⋴⋣

ഗര്.ഹോ.നച്ച गःअभिएसि पःष्टम प्राटीसःच प्राटीण ११२ भडर भेर प्राचीन में जिस्सा है कर प्राचीन के के कर प्राचीन के के कर प्राचीन के कर

ह्यामीराज्यी<u>का</u>र जब छार्पार्केड र भेरेजारियार्ज हिंगा विभागित र्यो) ११ करमण्डण ,र्जमब ऋग्रिक्सिक सम्बन्धा स्थाप

ग्रायामा जिल्ला विश्व हिन्म हिन्म अर्थ स्थान हिन्म अर्थ हिन એહલ્ટાહ भञ्जसा रवाणिवाद है जिस्ती रिवाण राज्या स्थाल विवास विराज्य प्रमान । गण्या अध्यात अधिक अधिक अधिक प्रात्ताता जाता है। जाता प्रत्या अधिक जाता है।

ीर्भर स्टार्वस भारतिष्य मध्यै पाठम स्र्याभिक्टुब्र पाठम ीटाए

प्राष्ट्रभग ७०० पा स्व

ह्यार्व्यम भिष्रीराज्य मधीरा மிகம் வயில் கூடிய യായ വാന र्यस्था प्रमाण ीब्रमण रण्यीराप्तं पाठाप्यः एणदर्श्ट

 \mathbf{H} ከያንተሥነ መጠና መፈግሥላ አዙነይርኔ ያስተጠሪንይ \mathbf{L} ንኛ መ \mathbf{L}

होज्यादा स्टान्सीय राज्य सर्वार्य मध्य , उर्लंड वार्य हार्य मार्गा भागरहीम उर्ल्य प्रत्येषा भणमण्य सर्वाभिक्षण्य

लाजपार टापाया रूपलम्पल्लए ग्रोतेमल प्राप्तकार चित्र हें इंपलेश करते हैं है है है उन्हार है से उन्हार्ग कि उन्ह

र्भाप्त देस एक्टा ॥ रिवार्गात पाल्टस ह्यारिट्र ह<u>फ</u>्रेंस महम[्]च महा छट्यास **छा** इराष्ट्रीस ह्यार्ट्स भा 🗥 🗷 व्यार 🖤 स्वार्थि १ एक्टेंस

ीणार्ट्स विरायमासा दक्षीर्वे ग्रीटार्ट्स आत्माकामा न्यार्ट्सिक विषयित हे वार्ट्सिक विरायमा विषयित स्वारित स्वारित है स्वारित है

म^९६० ०ऽ प्<u>पभुछ</u> पार्वें हरदर्शाम देनाक गिष्भागिज हिसम हरामक राजमक गिर्म जामहीस उहरे हलाटिवार्यस अदशासभा गिराज्यों सेंद्र हर्मात

एक जराजी पार्टिक सामक एक दें पान हो जा निर्मा पारा के अपने किन के समीत मित्र के उत्तर्श के अपने पार्टिक निर्माण

टीभर दर्धां दरंम मर्ल्स । रिस्स ए एउट प्रामाध्य प्रस्था सध्य पाठम ४ प्राधिष्ठा राज्य १/६ म्ह पाटिंगा दर्धां हे

का उसमें के मार्थ के अने के

ம बिस्ट विक्षेट साधि जायाधि अस्त्र अरुम् अरुम् जायाधि क्षेत्र का का का जारा का जारा का जारा का जारा का जारा का

र्ट्याता । विस्तार विस्तार विस्तार विस्तार क्रिया विस्तार विस्

त्रुत्यस्य व्याव्या प्रशास्त्र व्याव्य प्रशास्त्र व्याव्या प्रशास्त्र व्याव्या प्रशास्त्र व्याव्या प्रशास्त्र व

<u>..ब्रट</u>ुक्राज्य संस्ट्रे खुत "र्भग्रज्यभ्रस

भक्त ः १२ भवसण्डण, र्जमद प्पिक्टिटीहर हुने प्राप्तम आराज्ञेन हिन्दानिक्ष के प्रत्यातम्बद्ध के अ ज्ञान स्थाप्त पा जिल्लाम अध्याद स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्था अधीय अध्य हे उदर्ब विभागित्रसभ्र प्रमिधा अन्हर्द्धण भञ्जन्नीट<u>भभा</u>त नाराज्य अस्त्रीत ॥ जिप्पभिष्वपित्र र छरी भिर्र स्वार्ध भूत भारा दर्श म भ्रज्ञक्तीलमार जिल्ला जिल्ला हे ब्रह्मक प्पीठेँर, तेरदर्वर जेंमध्य अन्तदर्भा विद्यापार्विक भारति स्वापार्थ प्रदर्भ भारत्यं एक रस रेपार्य भाष्ट्रपार प्रध्याध्यसभ्र

...हळ दर्मेठ इंग्र

क्ट्रिट कि द्यात्र अधार क्रिक्ट आए क्रिक्ट क्रिक क्रिक्ट क्रिक क्रिक क्रिक्ट क्रिक क्रिक क्रिक्ट क्रिक क्र एरि स्टिन्स क्रिंग क्रिंग स्टिन्स क

RNI Regn. No. MANMEE/2009/31282

अभ स्ट्री) १२ भठमण्डण, र्जिमद मरम होन्याभर ए (१० ५०) ए अभीह अरुषार्थ्य प्रात्मेशसद हरदामा गातारा हार नामध्य माराम ट॰गएर्रिकाणि स्टीपास्ट्रियान टेंड ज्यानिक प्राप्त किया निवास करि प्रशासन स्तर्य पा (पि ^रक्क दक्क) न्पर्<u>रट</u> ीजाटर<u>्मभ्र</u>ट्यात स्र्रिजातीस एবি সধ<u>৯</u>৫°, ක්රිবක් ሮুৰূধি ॥ भिदर्श भिर्दे जिप्तमान

। भिर्मेट पार्वस्य भार पानिसाया कार सम्बर्ध । भिर्मेट्ट ग्रापा अन्य हो भारते । भासहोत्रेह हरभ्र संभाषिक्ष मानिक्ष्णेष ह्यं पणास भारानेल $oldsymbol{u}$ । भिरुद्धर्क् रिप्रसाय प्राप्त प्राप्त क्षा स्वाप्त क्षा स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वापत गा¢ऋ<u>क</u>∘टा रुम प्पीर्रेष्ट प्योर्रेष्ट , तर्क छंद र्यम प्रायः प्रोराममा हर्वन भीम रोमण रोसाल मापार्टाला रो<u>भव</u>पार्टाला मापार्थे मा मध्म एक प्राप्ति । प् स्रोरमंड ०% 'धव्याणश्य ८८१स् भाषस्त्रीतः *८५<u>भव्</u>द*ातः जमद्रीम स्वार्थभैगार जाधदर्गम मधम

रिधणप किर्ने क्रियं भारतील ॥ भिर्मे विस्तार वि गासकीपारणज्ञ स्वार्वस रहणजीठील मधीप्रमुक भीसण सामाभक्षावि एसम् ज्ञारी जया र सम्म मधीस रहे मार

प्रतातमस्य ४३ मार्टि म ा भिट्टे प्रस्थात । भरणार्थस्त्रं प्रायः मत्र हर्एक नदश्क भारत श्राप्टें हर्म विषठ हुन प्रतिकार प्रमहितम हो पार्थ व्याप्त क्ष्या है जाति ह

मिरिटि जिस्स्याज्ञी मण मंत्रीम पा॰छर ४४७-गणीभ हीग्र हर्लभ्यः महीम प्रदेश

യുട്ടെ പ്രത്യായില്ലെ പ്രത്യാട്ട് മുന്ന शणकरवर्डन्यार्य प्रस्तार्थित क्रिक राजा मध्य

हेडिस्ट (ब्लिस्ट क्रिस्ट क्रिस क् ह°एळागि°च ६०९६ के सेक्रचल णीटाण हिंद हस्त्र १३ भारिक १३ भारिक मण्डीख्टा सन्दर्भ राज्य होधिसमार्थ्यमार्ग ोगा*ठ* 🏻 झ

स्टिंग्स प्रमाधिक स्टेंड क्रिंग क्रिंग्स क्रांप्रोप्रम मध्यर्थ (क्रिया क्रिया क्रिय क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया मिन क्षा एक प्राप्त करान्यातिक प्राप्त

मडीम .दर्ल एमण एक्टिंग्स ग्राप्पर्ध र्र्येण) २२ क्षरमञ्डण ,र्रज्ञमद हुम्म हिष्म मर्जर होन्य एत सहस्य करामिष्य भूमाराज्य १८०० करम ण्यामण भण्यामण त्यापायम स्टान्यंत्र च्रिय प्राप्तायम भण्यापार्थक स्थापार स्थापार स्थापार स्थापार स्थापार स्थाप ॥<u>°भूब</u>र्रेट रूड॰माय॰भ होव्होमाय ोगाज्यभासभरःर ोगा एडीय्र दर्भार प्रीयुक्त ग्रापिका रं स्वत्वरमध्य लाउन्हा ण्या राज्याम प्राप्त राजम राजम उद्यार्थ्या प्राप्त मार्ज महीम

ोगारदर्क <u>भर</u>्मणण्योठील भर°5 ,प्रोष्प्रांच<u>िक</u> रूप्रदर्भ . प्रस्का सभ्रम विर्वे रिस्टार्गण प्राप्त ह्यापुम र्जन भरा हिन्दर्स ह्यारायाध्य प्राप्तमा भारपम असार हो इस इंग्लिस कार्या भारतार क्षात्र हमर्रा असार ിബ്ചിറാന്സ. ക് പ്രവിധാന വിധാന്യം പ്രവിധാനം പ്രവ प्राचित्रकार प्राप्त देशका अप्राचित्रकार $\mathbf{R}\mathbf{R}\mathbf{D}$ when $\mathbf{R}\mathbf{C}\mathbf{D}$ dhan $\mathbf{R}\mathbf{C}\mathbf{C}\mathbf{D}$ and $\mathbf{R}\mathbf{C}\mathbf{C}\mathbf{D}$

യ്ക്ക്

…ह्य दर्मेट द्रम

"टुमों ६००, ९००० स्प्रमार्ग ए॰५ स्प्रस्टल्डिक्स क्रिक्स "भिद्धर्भक् प्रमित्रीम ,ी५७५८ ए० भगाविष्ट

 $\mathbb{E}_{9} \square \mathbb{A}_{9} \square \square_{9} \mathbb{A}_{10}$ ।।

॥ उष्टार्भ स्टर्भ हे प्रमुख्य क्रिक्स अरु गाएेटि अधिार ा भिर्न्सर्धर स्वर्धिय भन्नस्तर्र जिल्ला पार्विट

राष्ट्र मधीर हर्दण विषया र्रोण १२ भवीर हर्दमार ॥ १५५ ८४ १८८०) हे प्रत्या १५५० १५५० १८५७ १८५७ १८५७ १८५७ १८५७ १८५७ १८५५ । रहणाँर र ५८वर्ग भाहरत्वेमद पार्धिं रप्पोरिट भोहर्भ <u>भह</u>ण्यभ भट्टी ०२२ भ४मण भरवर्त र १९७ए ए. १००२ मार्च अत्याहण्यत प्रात्या и हिन्म स्थान स्य अरीगर रार्धिस विभित्र मधीर रिक् ध्याणा<u>भ्य</u>ात ह्या जात्रमा सार्य सार्य का जात्रमा जात्रमा जात्रमा जात्रमा " <u>भन्</u>येर एकरभीम एकस्टाणीम <u>रह्</u> अराणर जर्ब भिर्स्थन ,සංഭ සැයායාය සැයායන සායායය සැයැයන සැයසාව हिस्ट । । छिषीन्यार्ट ह्रस्मूर्याध्य छथ**ख**ुहर्स्ट ट्राक्<u>ष्यभा</u>र भरत्याध्यम ील आप्रा ய்சுஜின்யிலாடிக் राज्या अन्य मार्क्यम प्रतिमात्र अप उद्धेणालीय

मद<u>्धभा</u>र \mathbf{m} \mathbf{m} ार्ये प्रमुख यात्र <u>ज्य</u> कराहर सहित्र निर्मा हत्त्र कराहर सहित्र सः**ए भिलिभल स्निग्टमस**ण्डं टेन्डएए ट्रमो ६००, ९००० त्रसमा ह्यात्र स्थान व्याप्त व्यापत व ोह्र छत[्]या विपास्तिमा ८००<u>म</u>णाणिस प्रोगार १८ हिस्तर्स , बिर्दर्स टर्साण्य देंग्रोण रूपा देणासण बागररी, प्रमुख्न सित्रेमाण प्रेञ्टरम

सर्गातमार्ग फ्रेंड्रएक्ट उभीत भ

श्रात्त्रम क्रा. ५५ महम १५ महमार १९००क क्रा. १५ महमार हमंत्र, एडमङ प्राप्त हमण प्राप्त क्रिम होता हमण साम होता है स्वाप्त होता हम होता हम हम हमत भन्नः सहाराधिकाः स्ट्राम्पातिकाः स्ट्राम् म<u>निष्</u>राधाः राभण्य स्वरंख आत्राच वर्गा के प्राप्त हैं होता पानरीज जिन्हीं स्वरंध स्वरंध स्वरंख स्वरंध स्वरंध स्वरंध स्वरंध प्पेट इन्हें हुन निर्मातामा स्थाप स्थाप स्थाप र्गणणाला ॥ जियामीत प्रहेष नाजान्य हरून भाजान्य हरून माणान्य अहरावीक के उत्तर्भा अभ्यत् विवास हरून माणान्य अन्य उद्धा सक हो भेड़ विश्व हो कि विश्व कि व एक्रप्रभाग जार्णां सन्धर्भक्त ॥ क्राप्तामा उन्हरण सामान्य स्थानिक रूज, त्रित्रहेर उपायक्रम जाराजेन ખા**ઝ**ભન્<u>यर</u> છોડન <u>માં છે. ૧૫ મારે જે લ્લામાં</u> णर्दक्र ए. १४ मुन्य हे स्मार जामब्दम राष्ट्रक जिल्ला है हार्य है जिल्ला हे स्वाप्त हे स्वाप्त है से अपने हो है । भिरुदर्श <u>भिर</u>णसग्रज्ञीलीस भ**ग्या**बीसस्त

ट्टाइ<u>म्ब</u>्रीब्रपार्

स्रिष्ट प्राधितारम् स्रिष्ट प्राधितारम् इत्र म्हाराज्यसम्बद्धाः स्था विद्यासम्बद्धाः स्थान निक्र प्राप्ति प्रत्यक्षी प्रत्यक्षी मिन्न AT A STANT TO THE TENENT OF THE TENENT TO THE TENENT THE TENENT TO THE T अध्यासी ॥ शिष्ठी त्यापकी गा तर्दे भ्रणार्थ्य भागिलोक्स प्रोद्धएरु॰ए ssosअ ए। ॥

ग्रहभन्दर्शात मा॰ऽ॰मुग्र स्वार्थस रिपाञ्च राज्ञस्य



हर्यण पाप्रम सहस्रम पारम गिरम् ग्रीटीस पारस सपर्म गिरम् विकार स्वार्यम गिरम् , तरीयणें साथ उपीएक एक एक हैं है होते हैं से स्वार्थ के स्वार्थ हो तर है से स्वार्थ हो से से स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ से स्वार्थ स्व एक स्वायह जाजन्त्र स्वायह के हिल्ला कर हुन जार्ट्स हुन कि तिराधिकार हुन हुन है। । යෙක්ද වළමාවය আසඳවන් මෙලා<u>වැ</u>ලාවන දුර් වැන් වැන් වන වෙත්වා වෙන වෙනසා ස්ක්ර්ය अर्थे सन्द्राधा साम्प्रहरीय साम्प्रहास अर्थाय का माने सामने सामने सामने सामने सामने स्वाधान स्वाधान सामने सामन िट्राफ सी<u>भर</u> गिर्मां अराज्यस्य ।। है रार्र मार प्रांतिज्ञनाम सी<u>भर</u> जन्साज्ञस्य ।। ग्रिरीमप्रभागजीतो स्म उपार्ट मध्यम रहण्डाच्या विस्ताप हर्दे शिमण्डल अमहे २००३२ अच्योह होहण्डत अभ्रष्टमण जलल्या विपारिक ॥ छिम्रक हत्यम ह्यान्य समार रुप्रद्राप्त प्रस्ताम

...ह्य दर्मेट द्रम

एगार्रा प्राप्त सिव्येष सिर्पे सप्तार स्वायिष्ठ सेष्ट क्रिया क्षेत्र स्वायिष्ठ सेष्ट स्वायिष्ठ सेष्ट स्वायिष्ठ

७५५० ए भेजें भारतिष्ठें ५४० प्रायंत्रम मध्या ५५५ मध्य ४५० मध्य ५५० ।। १५५५ ।। १५५५ ।। १५५५ ।।

ो४म5 प्राणा, त्रिष्टोऽम॰० ऽ<u>भिष्ठ</u> ह्वी०क्र भन्न होन्द्र होन्द्रेल

२२ भ्रष्टमण्डण प्रदंशद टार्माटीयाज्ञ प्राजिल्डाहरू प्रोध्या एँडिडि रोज्ल एन्स्स अन्त्रीए सिप्पिन महिंदे स्ट्रिस्ट स्ट्रिस हिन्दी णाटा इंटीड ज्याटा हो हो हो है । पासर्वाणहण्य पास्य विकास **उन्न** मामा साम अध्यक्ष अध्यक्ष र्मं हेनम टीपाटाएए केइए उएरिएए मिटि असे मिटि पिटि मिटि ॥ अस्टार्मा इस्मार्थ्य जीवर्ज्यमा



र्वेट ज्यार केंद्र अंटिज्यां के अंटिज्यां के अंटिज्यां के अंटिज्यां के उत्तर केंद्र ज्यारे केंद्र ज् भग्रञ्होराभ्याता प्रिस्टाशिक हरींदे हण्यादः छर्रः ज्ञणीराणार्वेद्धण त्रात्माच्यात्र हर्मा अर्धात्र अर्धात्र अर्ध्वात भागीयम गिर ९ डा ४ , डा ५ राज रेज गिर भमण मन्त्रम प्रमणीभाषा देम छलाई स्वीम भरदभ लाग माप्ता भरदभा जर्प एक छोर भारहेंदे ेष्ट्रप्राप्त जोवाज्येष्य हर्षेत्र । अनुदुर्ज जारत्यां ज्यानामार्थ राज्यां हर्षेत्र अध्याप्त ज्यानामार्थ हर्षे रास्में विवास १९०३ ईमवा टाल्यातीयम टाज्यस्थाय व्यवस्थात हत्या र प्रदेशिम प्राथम शिवम भव्याचा मध्वया मध्वया मध्वया मध्या प्रतिस्था स्वर्धि माने स्वर्धिम स्वर्धिम स्वर्धिम स्वर्धिम

ीम र रहक एक सम्बन्धान र उपरभर टार्नाटाम ज्यान प्रदान मारान्य अध्यान स्वात्य प्रदान स्वात्य प्रदान स्वात्य स्वत्य स्वात्य स्

टागिरात राज्यां ज्ञात ज्ञाति ज्ञाति

, रिदर्व एक भर्ष देस एपर्वस । विर्देश पासका र होन्स्र रामस्वाधा प्रसार प्राप्ति प्रसार सामिक प्रमाण सामिक सामिक प्रमाण प्रमाण प्रमाण प्रमाण प्रमाण प्रमाण सामिक प्रमाण प् र रहिसाम पोटामवर्र रहम एक्वामीत पोटाप्पान्य मार्थन पाटामा बोटापान्य साराप्य भवारापान्य राज्यां अञ्चमाराज्ञात करन्दर रहण अभी

र्द्धाया प्राप्तमञ्जल होत्रहर्त भरजल ॥ ग्रिष्टीभृष्टभाजन्तामा भ्रत्या हिन्स स्थान स्था स्थान स्था विष्यार्वम लष्टमप्यन्तीय सरदर्व हैया सपरम हामय सर्वर्थय ० ७ वर्ष विभाषक अर्थ विकास के उस्तर है अर विकास के अर विकास अर विकास अर विकास अर विकास के अर विकास के अर विकास ।। ौद्रपार्वस्रपार्वत्र छोद्रञ्जा स्थि॰छ॰स

कि जार्रा उँडेन क्रिक्टियामा /पोटारहरणदर्या मध्यीम ह्योमा 🕏 रि 🛭 एपर्वस १००६ हथार मञ्ज जिन्हर्रें **प्राम्मण भाषाराज्ञीस्तर्भन्त राज्यंण प्राप्तमण प्राराभक्षणः अर्ह्मणर्गण** कर्यका जानाराजीय के उत्तर भारत महें जानाराजात्व हे स्वाहर हें हो जाने हैं है जाने हैं है जाने हैं है जाने हैं ें <u>भूजा</u> दर्श्वालिस विद्यालिस विद्यालिस असमेर्ट प्राराणक्रम . इ. यह स्वाध्यात तान स्वत्वातम् व्यापानम् व्यापानम् व्यापानम् व्यापानम् व्यापानम् व्यापानम् व्यापानम् व्यापानम् छर्राष्ट्रा दर्भग्रीम राभदर्भण्य भागात आपाधका शि<u>भा</u>त्रमञ्जे ररभमक लोडात

SOCHOL CORRESPONDE

उसहेन, एरुमरक्ष ss: टिटो एणर्गे प्रएँस टेंर प्रेष्ट कोलाजनस रिभग्ना र स्था पार्क्य स्वारं स्वारं सार्वे भारमधील प्रस्मेर सिंग स ीणहर्द्ध ॰ रहर स्टेंड अलाब क्र पा एस पा रिस्स अपर्वेड अलोडात पा पारत्र ब को स मध्दर्रणक्रीमण भा २२ मिलक में जील के उठ जरहार्णक्राक्ष हा मध्दर्रम **प्राप्त राह्म व क्षण मध्य प्राप्त क्षित्र का जिल्ला है जिल्ला के जिल्ला के प्राप्त**

ट॰ त्तं त्या त्या प्राच्या प्राव्या त्या त्या प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र णिएक दक्षेत्रम रि<u>भन्त</u>ीयट्ट ,ीयदर्व सम्रक्ष राज्यस जापिलीमर्सात सब्दार अस एक प्राप्त स्वार हात होता आरोधिय स्वार के अप स्वार्थ स \mathbf{m} ंटीट स \mathbf{m} दर्जीस स्रीएक भीसछ र्राद्रेख भ्रयलीऽभ्र लेखा ।। भ्र<u>य</u>ेख उन्हर्न प्रोटारण्ड स्रिट्य प्रोटाम रस्र्व रिप्पः । निरुभार्न उट्योडमा भूजीया और जिल्लाया ॥ भ<u>िष्य</u>मार हो ए परिष्ठ होर प्राचित कार ेक राहे स्वारंत्रमा विवास का स्वारंताचीम मृद्ध प्रथम ह्यामान्द्रेट जलाक्य हर्स प्राध्यम प्रस्त्रालाम ममम्य महज्ञक्षिमम गिनहरूपायीमापार्यस्थि रापरय सहस्त्री १८०० रहम ॥ भेडे रोत्र ऽदर् र॰ पण् ाए अर्थेड्स सत्त्रामास द्वारा त्या कार्या कार्य कार् करती सेम किम हम हा एक प्राथम का उपनिवास का जिल्ला में में महिन िगळ २ पाम मस्दर्गपार्क्रीमण ीण २२ भठम॰ ४७ जास्णमणभ्य जार्राष्ट्रा मार् टुना हमा सार्वा हस्त्र व पात मध्दर्पाहीमा विप्रभेम देम ॥ भिदर्श शिष्पायाधे रिकास प्राप्त भारा हेर पाद<u>्य भर</u>